# रंडी मामी की हिंदी चुदाई की कहानी-1

“मेरी हिंदी चुदाई की कहानी में मैंने मामी को खूब जम कर चोदा। एक दिन मैंने देखा कि मामी सिर्फ़ पेंटी में शीशे के सामने अपनी जाँघों में पाउडर लगा रही थीं। …”

**Story By:** jasbir (jasbir1234)
**Posted:** सोमवार, मई 22nd, 2017
**Categories:** चाची की चुदाई
**Online version:** रंडी मामी की हिंदी चुदाई की कहानी-1


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*

# रंडी मामी की हिंदी चुदाई की कहानी-1

दोस्तो, यह मेरी हिंदी चुदाई की कहानी मामी के साथ है. मैंने अपनी मामी को एक साल तक ऐसा चोदा कि उनकी ऐसी चुदाई पहले कभी नहीं हुई होगी।

यह कुछ दिन पहले की घटना है। ग्रेजुयेशन के बाद कुछ दिन मामा के घर आया था। मामा-मामी दोनों ही बहुत प्यारे और अच्छे हैं।

मैं उस वक्त पच्चीस साल का गबरू जवान था। मेरी मामी तीस की थीं और मामा चालीस के थे।

मामी और मेरी उम्र में इतना कम फर्क होने के बाद भी वो मुझे कभी-कभी मुझे बेटा भी बोल देती हैं। मामी दिखने में बहुत गोरी, सुंदर, मांसल सेक्सी, जवान और प्यारी थीं।

हम सब आपस में अच्छे से व्यवहार करते थे। मैं जवानी की गर्मी के कारण जब कभी बहुत चुदासा हो जाता था तो छुप-छुप कर मुठ मार के अपने लंड का पानी निकाल लेता था। इसी तरह कभी नींद में भी डिसचार्ज हो जाता था।

एक दिन मैंने देखा कि मामी सिर्फ़ पेंटी में शीशे के सामने खड़ी होकर अपनी जाँघों में पाउडर लगा रही थीं।

जैसे ही मैंने मामी को इस तरह से देखा.. मैं एकदम से चौंकते हुए गरमा गया। मामी की गोरी और मोटी गांड और आईने में उसके दिखते मोटे और भरे हुए गोरे चूचे और गोरा गठीला बदन.. अह.. मेरा तो लंड आन्दोलन करने लगा।

कुछ सेकंड मैंने मामी को इस स्थिति में देखा और झट से पलट गया। शायद मामी को भी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

इसका अहसास हो गया था.. पर हम दोनों एक-दूसरे को नहीं देख पाए थे।

दूसरे दिन मैं अपने बेडरूम में लंड बाहर निकाल कर मुठ मार रहा था। उस वक्त मामी बाहर गई थीं.. पर वो कब आ गईं.. मुझे पता ही नहीं चला। लेकिन उन्होंने मुझे मुठ मारते देख लिया था।
उन्होंने मुझे मुठ मारते हुए देखा और देख कर ऐसे मुँह फेर लिया, जैसे उन्होंने कुछ देखा ही नहीं था।

इसके बाद जब से मैंने मामी को नंगी देख लिया था.. तब से मैं एकदम पागल हो गया था। उधर मामी भी मेरा लंड देखकर पागल हुई पड़ी थीं.. लेकिन हम दोनों ही एक-दूसरे की ठरक को नहीं दिखा रहे थे।
सुबह मामा जाने के बाद मामी नहाने जातीं.. फिर मैं उठता।

आज जब मैं उठा तो पता चला कि मामा चले गए। मामी गुनगुनाते हुए बाथरूम गईं। वैसे तो वो कभी गुनगुनाती नहीं हैं.. पर आज मामीजी जोर से गुनगुनाते हुए बाथरूम में घुस गईं।

मुझे कुछ डाउट हुआ.. तो मैं जल्दी से उठा और बाथरूम के दरवाजे के एक छेद में से देखने लगा। उन्होंने अपने सारे कपड़े उतार दिए थे और वे नीचे अपनी गांड हिला रही थीं, ऊपर अपने एक हाथ से अपने दूध दबा रही थीं.. साथ ही साथ दूसरे हाथ को अपनी चुत पर घुमा रही थीं।

मैंने सोचा कि शायद वो मेरे लिए तो ऐसा कर रही हैं ?
इस सोच ने मेरा लंड कड़क कर दिया।

जैसा ही उनका नहाना पूरा हुआ.. मैं झट से मेरे कमरे में आ गया। कुछ ही देर में मुझे

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अंदाजा हो गया कि मामी जी ने अपने कपड़े आदि पहन लिए हैं तो मैं अपने लंड को बाहर निकाल कर मुठ मारने लगा।

ये सब मैंने कमरे के दरवाजे खोल कर शुरू किया था, ताकि मुझे मुठ मारते हुए मामी जी देख लें। उनकी आहट हुई तो मैं समझ गया था कि वो मुझे देख रही थीं।

मैं आँखें बन्द करके मुठ मारने में लगा हुआ था, तभी मेरी जोरदार पिचकारी फिंकी।
मामी ने ये सब देख लिया.. मैं फर्श पर गिरी अपनी मुठ को साफ करने लगा।

तभी मामी ने आवाज़ दी- बेटा उठो।
इतना बोल कर मामी जी चली गईं।

आज हम दोनों ने एक-दूसरे को अपना खेल दिखा दिया था। दूसरे दिन मामी बोलीं- बेटे मैं बाज़ार जाकर आती हूँ.. तू उठ कर चाय पी लेना।

मैं समझ गया कि वो गई नहीं थीं.. बल्कि मेरा लंड देखना चाहती थीं।

मैंने भी लंड बाहर निकाल लिया और जोर-जोर से मुठ मारने लगा, साथ ही मैं कामुक आवाजों को निकालते हुए चिल्लाने लगा- अहा.. हाय.. साले तूने जब से मामी को नंगा देखा है.. उनके जिस्म ने तभी से मुझे पागल बना दिया है अहह.. अहह..!
मामी ये सब देख सुन रही थीं, उनकी छाया दरवाजे के नीचे से मुझे साफ़ दिखाई दे रही थी।

मैंने तेल की बोतल ली और अपने लंड पर तेल डाल-डाल कर मुठ मारने लगा।

मेरे मुठ मारने से 'पच्छ.. पच्छ..' की आवाजें आने लगीं.. साथ ही मैं जोर-जोर से मामी का नाम लेते हुए चिल्ला-चिल्ला कर मुठ मारने लगा। कुछ ही पलों में मेरे लंड से जोर से

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पिचकारी निकली। मैंने थोड़ी मलाई अपने हाथ पर ली और चाटते हुए बोलने लगा- अह.. मामी तू भी खा ले मेरी जान.. बहुत टेस्टी माल है.. अह..

मेरा सब पानी निकल गया.. मैंने अंडरवियर से सब साफ कर लिया। इतने में मामी ने आवाज़ दी- बेटे उठो.. क्या कर रहा है.. मैं बाज़ार भी जाकर आई अभी तक तू सोया है, चल उठ।
मैं उठा तो मामी बोलीं- जल्दी तैयार हो जा.. मुझे भी नहाने जाना है।

कुछ देर में मैं तैयार हुआ तो मामी बोलीं- अब मैं नहाने जा रही हूँ.. तू रुकेगा या कहीं जा रहा है ?
मैं बोला- मैं बाहर जाकर आता हूँ।

मैं जाने के लिए कह कर बाहर निकला और वापस आ गया। मामी नहा के बाहर आई हुई थीं।

वे पूरी नंगी आईने के सामने खड़ी होकर अपनी मखमली चुत पर हाथ घुमाते हुए हिंदी चुदाई की बातें बोल रही थीं- हाय बेटे.. जब से तेरा कड़क लंड देखा है.. मैं तो पागल हुई जा रही हूँ साले.. कुत्ते.. आ जा.. मुझे चोद दे.. तू मुठ मार के जो माल निकलता है.. ओह मुझे खाने को चाटने को मन करता है.. तेरा सारा माल में पी जाऊँगी.. उसे इस तरह खराब नहीं कर.. देख मेरी चुत कितनी झनझना रही है.. हाय.. तेरा कितना तगड़ा मोटा लंड है रे.. तेरे मामा से भी डबल मस्त मूसल है.. कितना ज्यादा माल गिरता है रे तेरा.. हाह.. अह..

मामी जी अपनी चुत में उंगलियां डालने लगीं.. शायद झड़ गई थीं.. उन्होंने चुत पोंछ ली।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अब उन्होंने कपड़े पहन लिए, कुछ पल बाद मैं घर में आया हुआ बताने लगा।

सब माहौल नॉर्मल हो गया।

दोपहर को वो बोलीं- कल में तेरे लिए खीर बनाऊँगी।

मैं समझ गया.. उनको खीर में मेरा माल खाना है।

दूसरे दिन वो मुझसे बोलीं- बेटे मैं नहाने जा रही हूँ.. वहाँ खीर रखी है.. तू अपनी ले लेना.. मेरी खीर को हाथ नहीं लगाना वो उपवास की खीर है।

यह कह कर वो नहाने चली गई।

मैं होल में से उन्हें देखने लगा, वो जानबूझ कर मुझे चुत में उंगलियां डाल-डाल कर दिखाती रहीं।

बाहर मैं जोर-जोर से मुठ मारने लगा.. साथ ही उनकी खीर की कटोरी लेकर आ गया। मैं उसमें लंड डुबा कर मुठ मारने लगा। मैंने मुठ मारते हुए सारा वीर्य मामी की खीर में गिरा दिया। इसके बाद चम्मच से खीर को हिला दिया, इससे मेरा वीर्य खीर मिक्स में हो गया। फिर मैंने उसी जगह पर कटोरा रख दिया।

मामी नहा कर आईं और बोलीं- बेटे खीर खाई ?
मैं बोला- नहीं.. अभी खा लूँगा।
मामी बोलीं- ठहर.. मैं लाती हूँ।
फिर मामी अपनी और मेरी खीर लेकर आईं।
मामी खीर खाते-खाते बोलीं- आज खीर कितनी मस्त बनी है, एकदम चाट-चाट कर खाने का मन कर रहा है।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

इसी तरह उसने मेरा सारा माल ख़ाकर उठीं और जाते-जाते बोलीं।

‘कई दिनों के बाद ऐसी खीर खाई और बहुत खाने का मन कर रहा है.. कल और ज़्यादा बनाऊँगी।’
खीर खाने के बाद मैं बोला- मैं बाहर जाकर आता हूँ।

मैं बाहर गया और चुपके से वापस आ गया और देखा कि मामी पल्लू नीचे गिरा के आईने के सामने खड़ी होकर सिसिया रही थीं- अह बेटा.. क्या मस्त माल है रे तेरा.. कितना टेस्टी था.. कल चार-पाँच बार मुठ मार-मार के एक गिलास भर मुझे अपना वीर्य पिला दो बेटे.. कल तेरे मामा के जाते ही तू अपना माल निकालना शुरू कर देना.. तुम मुझे बाथरूम में नंगा देख कर माल निकाल लेना या फिर जब मैं योगा करूँगी.. तब मेरी चूचियों को देख कर निकाल लेना। तू जितना निकाल सकेगा.. निकाल लेना, मैं सारा पी जाऊँगी।

हम दोनों भी अब कामुकता से पागल हो चुके थे। दूसरे दिन मामा के जाते ही मैं जोर-जोर से मुठ मारने लगा.. अपने लंड पेर तेल डाल-डाल कर ‘पच्छ.. पच्छ..’ की मदमस्त आवाज़ों के साथ मुठ मारने लगा।

मामी को मेरा मुठ मारना देखना बहुत पसंद था। मैंने मुठ मार कर सारा माल कटोरी में जमा कर लिया।

इसके बाद मामी ने मुझे उठाया और मामी नहाने जाने की कहते हुए बाथरूम की तरफ चल दीं। वे मुझे दिखाते हुए अपनी गांड हिलाती हुईं.. अपनी चूत में उंगलियां डालतीं हुईं.. अपने मम्मों को मुँह में लेती हुई जाने लगीं।

ये सब देख कर मैंने फिर से लंड का पानी निकाला और उसी कटोरी में जमा कर लिया।

फिर मामी योगा करने गईं.. तो मैं छुप कर देखने लगा। मामी अपनी चुत में कुछ डालतीं..

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फिर गांड में भी कुछ डालतीं.. मेरा फिर पानी निकल गया।

मैंने सारा माल एक कटोरी में डाल कर कटोरी किचन में रख दी। मामी ने मुझे नाश्ता दिया और मेरे सामने उस कटोरी में जमा मेरे लंड की मलाई को चाट कर खाने लगीं।

दोपहर को मैं अपने कमरे में मुठ मारते-मारते बोल रहा था- अह.. मामी मैंने तुझे बहुत माल खिलाया है.. तुम कम से कम अपनी पेशाब तो पिला दो।

मामी ने ये सब सुन लिया। अगली सुबह नौ बजे तक मामी ने अपनी पेशाब रोक कर रखी। मामा के जाते ही उन्होंने एक ग्लास में अपनी ताजी पेशाब को जमा किया और मुझे उठाने आईं।

बोलीं- बेटा सुबह-सुबह यह काढ़ा पी ले..

मैं समझ गया सुनहरे रंग की पेशाब से भरा गिलास अभी भी गरम था। मैंने मामी के सामने गटगट करके पूरा गिलास खाली कर दिया।
मामी ने पूछा- काढ़ा कैसा था ?
मैं बोला- एक बाल्टी भर भी पी जाता।
मामी बोली- ओके कल फिर बनाऊँगी।

उस रात मामी ने बहुत सा पानी पिया था, सुबह तक उनका पेट फूल गया था। मामा के जाते ही उन्होंने दो जग पेशाब की और दोनों जग भर के ले आईं।

जग गरमागरम थे.. मैंने एक जग पेशाब पिया और बोला- मामी कितना अच्छा है।

मैं दूसरे जग की पेशाब भी गटागट पीने लगा।

मामी बोलीं- कभी मेरे लिए तो बनाओ।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं मुस्कुरा दिया।
दूसरे दिन मैंने जग भर के पेशाब को जमा किया।

मामी के बाथरूम से आते ही मैं बोला- मामी मैंने आपके लिए काड़ा बनाया है.. लो पी लो।

मामी ने मुस्कुरा कर जग उठाया और गटागट पीने लगीं।

मामी बोलीं- कल और ज़्यादा नमकीन बनाना।

मैंने रात को ड्रिंक की.. और सुबह तक पेशाब रोक के रखी और दो जग भरके अपनी पेशाब मामी को दी।

मामी ने मेरी पेशाब पीते-पीते अपने शरीर पर भी गिराई.. और बोलीं- बहुत नमकीन है रे.. मजा आ गया।

शनिवार की सुबह मामा दो दिन के लिए बाहर गए थे।

मैं 'मामी.. मामी..' चिल्ला चिल्ला कर मुठ मारता रहा। मामी भी छुप के देखती रहीं। मैं जैसे ही उठा, मामी दौड़ कर अपने कमरे में चली गईं और नंगी होकर हिंदी चुदाई के लिए चिल्लाईं- बेटे कोई नहीं है.. आओ मुझे चोद दो.. तेरा लंड मेरी चुत में आने दो.. अहहहा आओ बेटे.. मुझे दबा के चोद दो.. हाहहह..

इस तरह वो अपनी चुत में उंगली करते हुए चिल्ला कर मुझे सुनाने लगीं।

जैसे ही मामी सीत्कार भरते हुए दरवाजे के पास आईं.. मैं दौड़ कर अपने कमरे में चला गया। मैं चाहता था कि वो खुद मुझसे चुदवाने आएं। जबकि वो सोच रही थीं कि मैं उन्हें चोदने जाऊँ।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कुछ ही देर में मामी एकदम पागल हो गई थीं। उस वक्त पहले आप.. पहले आप के चक्कर में चूत को न चोद सका।

आगे इस रस भरी चुदाई की कहानी में क्या-क्या न हुआ, वो सब पढ़ कर आप पक्के में अपना-अपना आइटम झाड़ लेंगे।

आप मुझे इस चुदाई की कहानी पर अपने विचार भेज सकते हैं।
हिंदी चुदाई की कहानी जारी है।
jasbirs075@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

# Other sites in IPE

## Kinara Lane

A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

## IndianPornVideos.com

Indian porn videos is India's biggest porn video tube site. Watch and download free streaming Indian porn videos here.

## Savita Bhabhi Movie

Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated movie. It takes us a on a journey thru time, a lot of super hot sex scenes and Savita Bhabhi's mission to bring down a corrupt minister planning to put internet censorship on the people.

## Desi Tales

Indian Sex Stories, Erotic Stories from India.

## Meri Sex Story

मैं हूँ मस्त कामिनी... मस्त मस्त कामिनी... मेरी सेक्स स्टोरी डॉट कॉम अत्यधिक तीव्र गति से लोकप्रिय होती जा रही है, मेरी सेक्स स्टोरी साईट उत्तेजक तथा रोमांचक कहानियों का खजाना है...

## Indian Porn Live

Go and have a live video chat with the hottest Indian girls.


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*